एम.ए. इतिहास	**कार्यक्रम कोड**	**: एमएएचआई**
M. A. History	**Programme Code :**	**MAHI**

उद्देश्य (Objectives) :

– समाज विज्ञान के व्यापक परिवेश में ऐतिहासिक विचारों, संस्थाओं एवं प्रक्रियाओं का ज्ञान सम्बोधन।
– समाज विज्ञान के रूप में इतिहास की व्यावहारिक विधाओं एवं शैलियों का संयोजन।
– विश्व एवं भारतीय इतिहास के गहन अध्ययन का प्रवर्तन।
– इतिहास की समसामयिक प्रवृत्तियों के ज्ञान का संयोजन।

प्रवेश योग्यता
(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72
एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32 श्रेयांक
एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40 श्रेयांक

शुल्क (Fee) : एम. ए. (पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–
: एम. ए. (उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम. ए. इतिहास के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

एम.ए. पूर्वार्द्ध इतिहास

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	विश्व इतिहास (मध्यकालीन समाज एवं क्रान्ति का युग) *World History* *(Medieval Society and Era of Revolution)*	एमएएचआई–01 *MAHI-01*	*8*
2.	विश्व इतिहास–(1815–1918) (राष्ट्रवाद, पूंजीवाद एवं समाजवाद) *World History-(1815-1918)* *(Nationalism, Capitalism and Socialism)*	एमएएचआई–02 *MAHI-02*	*8*
3.	आधुनिक विश्व का इतिहास–(1919–1945) (युद्व एवं ओद्यौगिक समाज) *History of Modern World-(1919-1945)* *(War and Industrial Society)*	एमएएचआई–03 *MAHI-03*	*8*
4.	ऐतिहासिक चिन्तन *Historical Thought*	एमएएचआई–04 *MAHI-04*	*8*

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) इतिहास

विद्यार्थी निम्नलिखित तालिका में दिये गये पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में से किन्ही पाँच पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) का चयन कर आवेदन पत्र में यथा स्थान पर अंकित करें।

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	प्राचीन भारत में राज्य एवं राजनीति *State and Polity in Ancient India*	एमएएचआई–05 *MAHI-05*	*8*
2.	प्राचीन भारत में व्यापार एवं शहरीकरण *Trade and Urbanisation in Ancient India*	एमएएचआई –06 *MAHI -06*	*8*
3.	भारत में भक्ति आंदोलन एवं सूफीवाद *Bhakti Movement and Sufism in India*	एमएएचआई –09 *MAHI -09*	*8*
4.	मध्यकालीन भारत में प्रशासकीय संस्थाओं का विकास *Growth of Administrative Institutions in Medieval India*	एमएएचआई –10 *MAHI -10*	*8*
5.	भारत में किसान आंदोलन (1818–1951) *Peasant Movement in India* (1818–1951)	एमएएचआई –13 *MAHI -13*	*8*
6.	भारत में स्वतन्त्रता आंदोलन (1920–1947) *Freedom Movements in India (1920-1947)*	एमएएचआई –14 *MAHI 14*	*8*
7.	आधुनिक राजस्थान में समाज एवं अर्थव्यवस्था *Society and Economy in Modern Rajasthan*	एमएएचआई –15 *MAHI -15*	*8*

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।